साहित्य अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35 फीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001
तार : साहित्यकार, दूरभाष : 2338 6626-28
फैक्स : 091-11-2338 2428

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001
Gram : Sahityakar, Phone : 2338 6626-28
Fax : 091-11-2338 2428
E-mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in
website : http://www.sahitya-akademi.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति
साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित

बहुभाषी कविता–पाठ कार्यक्रम

नई दिल्ली, 18 जून 2018 : साहित्य अकादेमी द्वारा अकादेमी सभाकक्ष, नई दिल्ली में 'साहित्य मंच' कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत बहुभाषी कविता–पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी, पंजाबी और उर्दू के तीन महत्त्वपूर्ण कवियों सर्वश्री राधेश्याम तिवारी, ब्रजिन्दर चौहान और आजिंत कोहली ने अपनी कविताओं का पाठ किया। जीवन–जगत की इंद्रधनुषी दुनिया की विविधरंगी संवेदनाओं से इन कवियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। राधेश्याम तिवारी ने मुक्त छंद की अपनी कविताओं के साथ–साथ कुछ गीत भी सुनाए। उनकी कविता–पंक्तियाँ "मैं वह मौन हूँ/ जिसकी अभिव्यक्ति/भाषा में संभव नहीं।" के साथ श्रोता–समूह उनकी सशक्त भावाभिव्यक्तियों से दो–चार होता रहा। ब्रजिंदर चौहान के शेर "रास्ता जिंदगी का मुश्किल है। चलते जाना भी एक हासिल है।" से शुरू करके लोग उनकी गजलों में अपने–अपने सफर और जिंदगी का हासिल तलाश करते रहे। आजिम कोहली की गजलों में दिल की ख्वाहिशों, जीवन के यथार्थ और दुनियावी दर्द को सशक्त अभिव्यक्ति मिली, उनका शेर देखें : "वो जो हाथों में लिए फिरते हैं सच के परचम। आँख से आँख मिलाते हुए मर जाते हैं।" तथा "नीला अंबर, चाँद–सितारे बच्चों की जागीरें हैं। अपनी दुनिया में तो बस दीवारें हैं, जंजीरें हैं।" कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के विशेष कार्याधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार देवेश द्वारा किया गया।

डॉ. के. श्रीनिवासराव
(सचिव)